* A B - 0 1 7 2 *

# AB-0172

## M. A. (Part-I) (External) Examination

### April/May – 2015

## Hindi : Paper - I

## (Prachine & Madhyakalin Kavya)

Time : **3** Hours] [Total Marks : **100**

सूचना :

નીચે દર્શાવેલ ☛ નિશાનીવાળી વિગતો ઉત્તરવહી પર અવશ્ય લખવી.
**Fillup strictly the details of ☛ signs on your answer book.**

Name of the Examination :

☛ **M. A. (Part-I) (External)**

Name of the Subject :

☛ **Hindi : Paper - I (Prachine & Madhyakalin Kavya)**

☛ Subject Code No. : **0 1 7 2** ☛ Section No. (1, 2,.....) : **Nil**

Seat No. :

Student's Signature

१ 'निर्गुण' शब्द की व्याख्या देते हुए निर्गुण भक्तिधारा की विशेषताएँ लिखिए । २०

**अथवा**

१ रीतिकालीन काव्यधाराओं का परिचय दीजिए । २०

२ कबीर के समन्वयवादी दृष्टिकोण की चर्चा कीजिए । २०

**अथवा**

२ कबीर की प्रेमानुभूति पर प्रकाश डालिए । २०

३ प्रकृति–चित्रण की दृष्टि से 'पद्मावत' को परखिए ।

**अथवा**

३ जायसी के रहस्यवाद की चर्चा कीजिए । २०

४ 'विनय पत्रिका' प्रबन्धकाव्य है या मुक्तक ? तर्कसंगत उत्तर दीजिए । २०

**अथवा**

४ भावपक्ष और कलापक्ष की दृष्टि से 'विनय पत्रिका' का मूल्यांकन कीजिए । २०

५ धनानन्द की भक्ति भावना को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए । २०

**अथवा**

५ 'प्रेम की पीर' के कवि के रूप में धनानन्द का परिचय दीजिए । २०